

29.09.25 कथिवन्तोगण स्वयंभूत प्रतिवादी विवेक

पाठक देवाता जकाद शर्चना - पत्र पत्र। जिकी
प्रतिनिधि प्राप्त न शर्चा कथिवन्ता देवा।
वन्दे हेतु शवल चाहा उम्मा। काही
की तरफ न काई काही स्वयंभूत नही
मता कागाणी दिनांक १८ वादी उम्मा।
करिता देवी स्वयंभूत रहे।
पत्रावली शर्चना - पत्र १८ कागाणी कर्नाधी
पत्र स्वयंभूत काही दिनांक ०३.१०.२०२५
का पत्रा है।

अपर जिला न्यायाधीश
फतेहपुर-रावावाटी (सीकर) सू